हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर
जबलपुर, शुक्रवार 6 फरवरी 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

उप-तहसील और अस्पताल के लिए कांग्रेस का हल्लाबोल!

शहडोल। जिले के केशवाही क्षेत्र की वर्षों पुरानी जायज मांगों को लेकर कांग्रेस ने आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। उप-तहसील, पूर्ण थाना और 50 बिस्तर वाले अस्पताल की स्थापना को लेकर आयोजित विशाल धरने में जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने तीखे तेवर दिखाते हुए प्रशासन को चेतावनी दी कि बुनियादी सुविधाओं के लिए जनता को तरसाना बंद करें। विधायक फुंदेलाल मार्को और संयोजक माधव प्रजापति के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि यदि मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो उग्र आंदोलन की ज्वाला पूरे जिले में धधकेगी। आंदोलन में जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे सहित दर्जनों दिग्गजों ने एकजुटता दिखाकर सरकार की विकास विरोधी नीतियों को जमकर कोसा।

गुजरात के भुज से दस्तयाब हुआ शहडोल का लाल

दो साल से लापता युवक को कच्छ के आश्रम से लाई पुलिस

शहडोल। अपनों से बिछड़े हुए मासूमों और युवाओं को मिलाने की मुहिम में शहडोल पुलिस ने एक बार फिर मिसाल पेश की है। गोहपारू थाना पुलिस ने दो साल से लापता एक युवक को गुजरात के भुज (कच्छ) से सुरक्षित ढूंढ निकाला है। यह कामयाबी न केवल पुलिस की मुस्तैदी को दर्शाती है, बल्कि उन परिवारों के लिए उम्मीद की किरण है जिनके अपने सालों से लापता हैं।

2024 से लापता था हीराचंद्र

जानकारी के अनुसार, ग्राम खांड निवासी 20 वर्षीय हीराचंद्र बैगा पिता राममिलन बैगा, फरवरी 2024 में अचानक घर से लापता हो गया था। गोहपारू पुलिस ने गुम इंसान कायम कर उसकी तलाश शुरू की। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम परिजनों के साथ तत्काल गुजरात रवाना हुई।

पुलिस टीम जब भुज स्थित श्री रामदेव सेवा आश्रम पहुंची, तो वहां हीराचंद्र सुरक्षित मिला। उसने बताया कि वह काम की तलाश में भटकते हुए गुजरात पहुंच गया था, जहां एक महिला की मदद से उसे आश्रम में पनाह मिली। 1 फरवरी 2026 को पुलिस ने तमाम कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर युवक को उसके बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

माफिया ने बिछाया जासूसी का जाल!

खनिज अमले की नाक के नीचे से ट्रैक्टर फरार

अफसरों की जासूसी के लिए तैनात किए किराए के मुखबिर

शहडोल।

जिले में रेत माफिया अब कानून की सरहदें लांघकर समानांतर सरकार चला रहा है। शहडोल की नदियों का सीना छलनी कर अवैध रेत का काला साम्राज्य इस कदर फैल चुका है कि अब वर्दी और विभाग का खौफ महज कागजों तक सिमट गया है। ताजा घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया है कि जिले में खनिज विभाग से दो कदम आगे माफिया का इंटेलिजेंस नेटवर्क काम कर रहा है।

निरीक्षक के सामने से भागे ट्रैक्टर

हैरतअंगेज मामला तब सामने आया जब खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले अवैध उत्खनन पर कार्रवाई करने पहुंचे। विभागीय सक्रियता को धता बताते हुए माफिया रात के अंधेरे में रेत से लदे ट्रैक्टर लेकर चंपत हो गए। हद तो तब हो गई जब पीछा कर रहे अधिकारी का रास्ता दो बाइक सवारों ने जानबूझकर रोका। यह कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि माफिया की वह सोची-समझी रणनीति है, जिसके तहत वे सरकारी काम में बाधा डालकर अपने अवैध कारोबार को सुरक्षा प्रदान करते हैं।

विभाग के भीतर माफिया के कान

जांच में जो खुलासा हुआ है, वह प्रशासन के लिए डूब मरने वाली बात है। रेत माफिया ने खनिज विभाग के अधिकारियों की पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए बाकायदा रेकी तंत्र खड़ा कर दिया है। हाल ही में खनिज कार्यालय के ठीक सामने से एक जासूस को दबोचा गया, जिसके मोबाइल ने राज खोल दिया कि कैसे विभाग की हर हलचल, हर गाड़ी का मूवमेंट सेकंडों में माफिया तक पहुंच रहा था।

खून से सने हैं माफिया के हाथ

शहडोल का इतिहास गवाह है कि यह माफिया कितना खूंखार हो चुका है। कार्रवाई के दौरान एक पटवारी और एक पुलिस एएसआई को कुचलकर मौत के घाट उतारने वाली घटनाएं आज भी जेहन में ताजा हैं। हाल ही में एक तहसीलदार पर भी हमले का दुस्साहस किया गया। सवाल उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है, जब रक्षक ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता और प्राकृतिक संपदा की रक्षा कौन करेगा।

राजस्व को चपत, रसूखदारों को मलाई

जिले में रेत का कोई वैध ठेका नहीं है, फिर भी हर सडक़ पर रेत से लदे ट्रैक्टरों का तांडव जारी है। यह अवैध कारोबार न केवल सरकार के खजाने में सेंध लगा रहा है, बल्कि कानून-व्यवस्था को भी बौना साबित कर रहा है। आखिर किसके संरक्षण में यह पीला सोना बेखौफ लूटा जा रहा है।

इनका कहना है...

अभी हाल में ही सिंहपुर की ओर अवैध रेत का परिवहन के रहे ट्रैक्टर का पीछा करने के दौरान एक बाइक सवार दो व्यक्ति कार्यवाही में बाधक बन रहे थे, इतना ही नहीं हमारे कार्यालय के सामने रेत के कारोबार से जुड़े सूचना तंत्र हमारी सभी गतिविधियों पर नजर बनाए रहते है, अभी हाल में ही एक युवक को हमारी रेकी करते पकड़ा था, जिसके मोबाइल पर कई साक्ष्य भी मिले थे, बाबजूद इसके खनिज अमला अवैध रेत पर लगातार कार्यवाही करते हुए इसे रोकने का पूरा प्रयास कर रहा है।

अभिषेक पटले
खनिज निरीक्षक

अमृता हॉस्पिटल में गर्भाशय के चक्कर में काट दिया ब्लैडर

महिला ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल। चिकित्सा जगत को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला पिपरिया स्थित अमृता हॉस्पिटल से सामने आया है। सेवा और समर्पण का ढोंग करने वाले इस अस्पताल की कथित लापरवाही ने एक हंसती-खेलती महिला को जीते-जी नर्क जैसी जिंदगी जीने पर मजबूर कर दिया है। रसूख और रुपयों की हवस में अंधे अस्पताल प्रबंधन ने न केवल मरीज का शरीर छलनी किया, बल्कि अब अपनी गलती सुधारने के नाम पर फिर से जेब गर्म करने की जिद पर अड़ा है।

पीड़िता ऊषा देवी पनाडिया ने बच्चेदानी की समस्या के समाधान के लिए डॉ. अनुपमा जैन पर भरोसा जताया था। 12 नवंबर 2025 को हुए ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने ऐसी घोर लापरवाही बरती कि महिला के ब्लैडर (मूत्रशय) में गहरा कट लगा दिया। इस घातक चूक का नतीजा यह हुआ कि ऑपरेशन के बाद से ही पीड़िता को निरंतर पेशाब के रिसाव की नरकीय समस्या झेलनी पड़ रही है। जब पीड़िता ने इसकी शिकायत की तो डॉक्टर ने हमदर्दी दिखाने के बजाय निर्दयता की सारी हदें पार करते हुए सुधार के नाम पर अतिरिक्त रुपयों की डिमांड कर डाली। पीड़िता अब तक अमृता हॉस्पिटल की तिजोरी में 1.5 लाख रुपये झोंक चुकी है। बिलासपुर और नागपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पुष्टि कर दी है कि यह समस्या ऑपरेशन के दौरान लगी कट की वजह से ही हुई है। अब इस जख्म को भरने के लिए 5 लाख का अतिरिक्त खर्च और रोजाना एक हजार रुपये के डायपर का बोझ एक गरीब परिवार कैसे सहे। अपनी बर्बाद जिंदगी का हिसाब मांगने के लिए पीड़िता अब प्रशासनिक अधिकारियों की चौखट पर सिर पटक रही है। ऊषा देवी ने लिखित शिकायत देकर डॉक्टर के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई और इलाज के खर्च की वसूली की मांग की है। सवाल यह है कि क्या शहडोल का स्वास्थ्य विभाग इन सफेदपोश अपराधियों पर नकेल कसेगा या एक बेबस महिला की आवाज रसूखदारों के दबाव में दम तोड़ देगी।

यूजीसी विनियम 2026 के खिलाफ शहडोल में यलगार

विभाजनकारी नीति के विरोध में कलेक्टर को सौंपेंगे ज्ञापन

समाज को बांटने की साजिश पर भडक़ा आक्रोश

शहडोल। उच्च शिक्षा के नाम पर समाज में नफरत और विभाजन का जहर घोलने वाली केंद्र सरकार की नई नीति यूजीसी विनियम 2026 के खिलाफ अब शहडोल का सर्व समाज सडक़ों पर उतरने को तैयार है। जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, प्रबुद्ध नागरिकों और छात्र शक्ति ने 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित इस विनियम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आरोप है कि समता के संवर्धन के नाम पर यह नीति अनारक्षित वर्ग के प्रति असुरक्षा पैदा करने और समाज को टुकड़ों में बांटने वाली है।

प्रतिभा को कुचलने की कोशिश बर्दाश्त नहीं

गुरुवार को शहडोल में आयोजित विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक में इस काले कानून पर तीखा विमर्श हुआ। वक्ताओं ने दो टूक कहा कि यूजीसी के ये प्रावधान न केवल अस्पष्ट हैं, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के मौलिक अधिकार पर सीधा हमला हैं। समता के नाम पर प्रतिभा को दबाने और सामान्य वर्ग के छात्रों व शिक्षकों में भय पैदा करने वाली इस विभाजनकारी नीति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जय स्तंभ चौक पर शक्ति प्रदर्शन

सर्व समाज समन्वय समिति के नेतृत्व में निर्णय लिया गया है कि 06 फरवरी (शुक्रवार) को दोपहर में जय स्तंभ चौक पर एक विशाल एवं शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस विवादित विनियम को तत्काल वापस लेने या संशोधित करने की मांग की जाएगी।

एकजुट हुआ शहडोल का सामाजिक नेतृत्व

तैयारी बैठक में अखिल भारतीय ब्राह्मण एकीकृत परिषद से प्रकाश तिवारी, जय किशन तिवारी, कायस्थ समाज से सुनील खरे, ब्राह्मण समाज से पं. वाल्मीकि गौतम और रॉयल राजपूत संगठन से शिवम सिंह जैसे प्रमुख चेहरों ने शिरकत की। साथ ही सर्व वैश्य समाज के लक्ष्मण गुप्ता, पेंशनर एसोसिएशन के एसपी गौतम, और क्षत्रिय महासभा के शक्ति सिंह चंदेल सहित अन्य संगठनों ने इस लड़ाई को निर्णायक बनाने का संकल्प लिया।

समरसता की रक्षा के लिए अंतिम विकल्प आंदोलन

बैठक में उपस्थित अखिलेश शर्मा, प्रभाकर तिवारी और दया शंकर शुक्ला सहित अन्य प्रतिनिधियों ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी आने वाली पीढिय़ों के भविष्य और सामाजिक समरसता को बचाने के लिए कल दोपहर जय स्तंभ चौक पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। संगठनों का स्पष्ट संदेश है, हमारा उद्देश्य किसी वर्ग के विरुद्ध नफरत फैलाना नहीं, बल्कि संविधान की मूल भावना और न्याय की रक्षा करना है।

विशाल हिंदू सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, विभाग प्रचारक कमल सिंह ने भरा हुंकार

शहडोल। सकल हिंदू समाज के आह्वान पर समूचे जिले में चल रही हिंदुत्व की बयार अब एक महा-अभियान का रूप ले चुकी है। बुधवार को खन्नौधी के बस स्टैंड स्थित विशाल प्रांगण में आयोजित विशाल हिंदू सम्मेलन में हजारों की संख्या में उमड़े जनसमूह ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब हिंदू समाज न केवल जागृत है, बल्कि अपनी संस्कृति और मान बिंदुओं की रक्षा के लिए पूरी तरह संगठित भी है।

हिंदू समाज को जोडऩे का संकल्प

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, विभाग प्रचारक श्री कमल सिंह राठौर ने अपने धारदार उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष को केवल आयोजनों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसका मूल उद्देश्य बिखरे हुए हिंदू समाज को एकता की माला में पिरोना है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा जब-जब हिंदू सशक्त हुआ है, तब-तब विश्व का कल्याण हुआ है। यह महज वक्तव्य नहीं, बल्कि इतिहास का प्रमाण है।

सनातन रक्षा का ब्रह्मास्त्र

मुख्य वक्ता ने समाज के सामने पंच परिवर्तन का रोडमैप रखा, जो आने वाले समय में हिंदू समाज की दिशा तय करेगा, संस्कारों की नींव घरों से ही शुरू होगी। बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा नहीं, बल्कि हिंदुत्व का बोध और सनातन मूल्यों से परिचित कराना होगा। ऊंच-नीच और भेदभाव के जहर को त्यागकर हर व्यक्ति को सर्वप्रथम हिंदू के भाव से व्यवहार करना होगा। हमारा खान-पान, रहन-सहन और उपभोग की वस्तुएं क्या हमारे स्वदेशी और सनातन मूल्यों के अनुकूल हैं? हमें स्व की पहचान को गर्व से अपनाना होगा। अधिकारों की रट लगाने के बजाय समाज को अपने मौलिक कर्तव्यों पर ध्यान देना होगा। राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए। प्रकृति और सनातन विचारों के सामंजस्य से ही समाज सुरक्षित रहेगा।

मातृशक्ति और युवाओं का अनूठा संगम

सम्मेलन में साध्वी सुश्री कृष्णागी तिवारी, डॉ. अर्चना जायसवाल और संत श्री जानकी शरण जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आकर्षण आदिवासी नृत्य और पंच परिवर्तन का सजीव चित्रण रहा, जिसने उपस्थित 1500 से अधिक श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारत माता की आरती और समरसता भोज के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने यह संदेश दे दिया है कि शहडोल के 108 स्थानों पर चल रहे ये सम्मेलन हिंदू समाज की सोई हुई चेतना को जगाने का महायज्ञ हैं।

जैतपुर पुलिस की कार्यप्रणाली से परेशान ग्रामीण धरने पर बैठे

कलेक्टर की समझाईश के बाद खत्म हुआ धरना

शहडोल। जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिसिया कार्यशैली एक बार फिर कटघरे में है। जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भगवानदीन सिंह गोंड की संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में मिली लाश ने अब एक बड़े जनाक्रोश का रूप ले लिया है। पुलिस की कथित निष्क्रियता और ठंडे रवैये से भडक़े परिजनों और ग्रामीणों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट का घेराव कर गेट पर ही डेरा डाल दिया। नारों की गूंज और आंखों में न्याय की मांग लिए बैठे ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि अब खोखले आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, 8 घंटे चले धरने के बाद कलेक्टर के आश्वासन के बाद ग्रामीण वापस लौट गये।

धान की राशि लेने निकला था पति

मृतक की पत्नी भगवती सिंह गोंड द्वारा कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र की इबारत रोंगटे खड़े करने वाली है। आवेदन के अनुसार, भगवानदीन 2 जनवरी 2026 को घर से धान की राशि लेने निकले थे, लेकिन वे घर नहीं लौटे। 3 जनवरी को उनकी लाश गांव के ही एक कुएं में संदिग्ध हालत में उतराती मिली। परिजनों का दावा है कि मृतक के शरीर पर मिले चोट के निशान कह रहे हैं कि यह कोई सामान्य मौत या हादसा नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या है।

हत्यारों को संरक्षण या जांच में लापरवाही

इस पूरे मामले में जैतपुर पुलिस की भूमिका पर सबसे बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा है। परिजनों का आरोप है कि कुछ रसूखदारों ने भगवानदीन को फोन कर बुलाया था। इतना ही नहीं, यह सनसनीखेज आरोप भी लगाया गया है कि मामले को रफा-दफा करने के लिए 4 लाख रुपये का प्रलोभन देकर दबाव बनाया गया। आखिर वे कौन लोग हैं जो कानून को अपनी जेब में रखकर सौदेबाजी कर रहे हैं और पुलिस उन संदिग्ध नंबरों और कॉल डिटेल्स की जांच करने से क्यों कतरा रही है।

कलेक्टर की समझाईश के बाद माने ग्रामीण

कलेक्ट्रेट गेट पर धरने पर बैठे ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन दूध का जला पीड़ित परिवार अब ठोस कार्रवाई से कम पर मानने को तैयार नहीं थे, ग्रामीणों का दो टूक कहना है कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती और निष्पक्ष जांच शुरू नहीं होती, तब तक कलेक्ट्रेट की चौखट खाली नहीं होगी। हालाकि जब कलेक्टर पहुंचे और समझाईश के साथ कार्यवाही का आश्वसन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने 8 घंटे के विरोध के बाद वापस लौट गये।

जमीन लेकर रोजगार देना भूली कंपनी

दर-दर भटकने को मजबूर किसान

शहडोल।

जिले में औद्योगिक विकास के नाम पर किसानों की जमीनों का अधिग्रहण कर उन्हें रोजगार का सुनहरा सपना दिखाने वाली कंपनियां अब अपने वादों से मुकरती नजर आ रही हैं। ताजा मामला सोहागपुर तहसील के ग्राम सिंदुरी का है, जहां अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (विचारपुर कोल माइन) द्वारा किसान की जमीन लेने के बदले उसे नौकरी देने का वादा किया गया था, लेकिन हकीकत यह है कि आज वह किसान रोजगार के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है, जबकि कंपनी प्रबंधन आश्वासन के पुलिंदे थमाकर मौन बैठा है।

जमीन भी गई और हक भी नहीं मिला

ग्राम पुरनिहा निवासी धनीराम पटेल ने कलेक्टर और श्रम विभाग को सौंपे अपने पत्र में कंपनी की वादाखिलाफी की पोल खोली है। पीड़ित के अनुसार, ग्राम सेंधूरी स्थित उसकी 0.764 हेक्टेयर बेशकीमती भूमि के बदले अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने 14 अक्टूबर 2021 को रोजगार देने का विधिवत आश्वासन पत्र जारी किया था। लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी पीड़ित को अब तक स्थाई रोजगार नहीं मिला है।

ठेकेदारी के नाम पर उलझाने का खेल

पीड़ित का आरोप है कि कंपनी की नीति के अनुसार, उसे रोजगार के बदले अस्थायी तौर पर ठेकेदारी का कार्य दिया गया था। नियम यह था कि जब तक ठेकेदारी का कार्य चलेगा, तब तक रोजगार की पात्रता स्थगित रहेगी, लेकिन अक्टूबर 2024 से पीड़ित के पास ठेकेदारी का कोई काम नहीं है। कंपनी के अपने ही पत्र के अनुसार, यदि ठेकेदारी का कार्य प्रगति पर न हो, तो पुराना रोजगार आश्वासन पत्र तत्काल प्रभावी हो जाना चाहिए। बावजूद इसके, प्रबंधन धनीराम को नौकरी देने में हीला-हवाली कर रहा है।

कलेक्ट्रेट से लेकर लेबर कमिश्नर तक गुहार

अपनी ही जमीन पर बेगाने हुए धनीराम पटेल ने अब न्याय की लड़ाई तेज कर दी है। उन्होंने कलेक्टर, एसडीएम सोहागपुर और लेबर कमिश्नर को पत्र लिखकर शीघ्र रोजगार दिलाने की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि विगत एक वर्ष से वह बेरोजगार है और अब वह ठेकेदारी नहीं, बल्कि योग्यतानुसार स्थाई नौकरी चाहता है।

रफ्तार पर लगाम, नियमों का सम्मान

शंभूनाथ यूनिवर्सिटी में गूंजा ससुरक्षा जीवन रक्षा का नारा

शहडोल। सडक़ों पर बिछती लाशें और अपंग होते युवाओं की बढ़ती संख्या के बीच, पंडित शंभूनाथ विश्वविद्यालय परिसर में पीएम उषा योजना के तहत एक निर्णायक जागरूकता अभियान छेड़ा गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्र-छात्राओं को यह समझाना था कि सडक़ पर उनकी एक लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि उनके पूरे परिवार के लिए जानलेवा साबित हो सकती है।

मुख्य वक्ता एवं यातायात प्रभारी संजय जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कड़े लहजे में कहा कि सडक़ दुर्घटनाएं कोई दैवीय आपदा नहीं, बल्कि हमारी अपनी गलतियों का परिणाम हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि तेज गति, हेलमेट और सीट बेल्ट से परहेज, और सबसे खतरनाक वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना, मौत को सीधा निमंत्रण देना है। जायसवाल ने युवाओं से अपील की कि वे नशे की हालत में स्टयरिंग न छुएं और यातायात संकेतों को महज बोर्ड न समझकर उनके आदेशों का पालन करें। कार्यक्रम में प्रो. गीता सराफ ने शिक्षा की परिभाषा को व्यापक बताते हुए कहा कि पीएम उषा जैसी योजनाएं छात्रों को केवल रोजगारोन्मुखी ही नहीं बनातीं, बल्कि उनमें सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव भी भरती हैं। उन्होंने जोर दिया कि अनुशासन ही वह कौशल है जो एक विद्यार्थी को जिम्मेदार नागरिक बनाता है।

इस मौके पर सूबेदार प्रियंका शर्मा और विवेकानंद तिवारी ने व्यावहारिक उदाहरणों के जरिए यातायात नियमों की बारीकियां समझाईं। विश्वविद्यालय परिसर में सडक़ सुरक्षा-जीवन सुरक्षा के नारों के साथ जनमानस को जागरूक किया गया। आयोजन में सेड मैप प्रभारी रवि विश्वकर्मा, डॉ. रचना दुबे सहित भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने सुरक्षित ड्राइविंग का संकल्प लिया।

अधीक्षकों की होगी रात्रिकालीन मॉनीटरिंग

अफसर करेंगे हॉस्टलों में रात्रि विश्राम, सुधारों के लिए तैयारी

शहडोल।

हॉस्टलों की दुर्दशा सुधारने व बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने उपायुक्त ट्रायबल जेपी यादव रचनात्मक उपाय कर रहे हैं। उन्होने शहडोल, उमरिया, अनूपपुर के हॉस्टलों में सुधार लाने हेतु 30 अधिकारियों का एक परिवेक्षण दल गठित किया है। जो कि रात के समय हॉस्टलों के अधीक्षकों/ अधीक्षिकाओं का लोकेशन पता करेंगे और वीडियोकाल के माध्यम से बच्चों से चर्चा करेंगे। इसके साथ ही अधिकारी हॉस्टल में रात्रिकालीन विश्राम भी करेंगे और बच्चों से विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। माना जाता है कि प्रशासनिक उपेक्षाओं के कारण ही न केवल अधीक्षक गैरजिम्मेदार बने बल्कि बच्चों की सुरक्षा पर भी सवालिया निशान खड़ा हुआ है।

प्रति सप्ताह होगी मॉनीटरिंग

समस्याओं और असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण यह माना जाता रहा है कि अधीक्षक/ अधीक्षिकाएं हॉस्टलों में निवास नहीं करते। बच्चों की स्थितियों की प्रशासन को भी जानकारी नही मिलती थी। अब अधिकारियों का दल मॉनीटरिंग करने के लिए प्रति सप्ताह दो-तीन दिन रात के समय हॉस्टल अधीक्षकों को कॉल लगाकर उनका लोकेशन जानेगा वे इस वक्त कहां हैं? यदि वे स्वयं को हॉस्टल में बताएंगे तो वहां के बच्चों से मोबाइल वीडियो के माध्यम से साक्षात्कार किया जाएगा। इससे अधिकारियों और बच्चों तथा हॉस्टल इंचार्ज से आमने सामने चर्चा होगी और वे एक दूसरे को जान सकेंगे। अधीक्षिकाओं से महिला अधिकारी चर्चा करेंगी।

बच्चों से मुखातिब होंगे

बच्चों की परिस्थितियों का नजदीकी से अवलोकन करने हेतु टीम के अधिकारी प्रति माह दो दिन हॉस्टलों में रात्रिकालीन विश्राम करेंगे। इस दौरान वे बच्चों से उनकी सुविधाओं, शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेगें। उनके खानपान की स्थितियों का स्वयं अवलोकन करेंगे। ज्ञातव्य है कि अगर ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहे तो हॉस्टलों का कायाकल्प होने में देर नहीं लगेगी। अफसरों का हॉस्टलों में रात्रि विश्राम यह एकदम नया प्रयास है। जो कि उपायुक्त श्री यादव के नेतृत्व में प्रथम बार अमल में लाया जा रहा है।

इनका कहना है...

समस्याओं के निवारण के लिए समस्याओं की गहराई और उनका मौलिक स्वरूप जानना बहुत आवश्यक होता है। इसके लिए हमें स्वयं अवलोकन करना चाहिए। हमारे प्रयास में सुधार को प्राथमिका दी गई है।

जे.पी.यादव

प्रधानमंत्री 6 फरवरी को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों से करेंगे संवाद

उमरिया। जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परीक्षा से पहले परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों से परीक्षा के तनाव को दूर करने के लिए विद्यार्थियों से 6 फरवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से संवाद करेंगे। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन, पीएमई विद्या, टी. व्ही,रेडियो चौनल, नेटफ्लिक्स,जीओ हॉटस्टार, अमेजन प्राईम वीडियो आदि पर सीधा प्रसारण होगा।जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम हेतु समस्त विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम के लाईव प्रसारण में सहभागिता हेतु विद्यालयों में बड़ी स्क्रीन अथवा टी.व्ही. की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। विद्यालयों में विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित कि जाएगी। जिन विद्यालयों में विद्युत व्यवस्था नहीं है वहाँ पर अन्य जनरेटर आदि की वैकल्पिक व्यवस्था कर विद्यार्थियों को माननीय प्रधानमंत्री जी के इस कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित की जावेगा। विद्यालयों में इंटरनेट की उपलब्धता, कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाईल जो संभव हो व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। यह व्यवस्थाएं समग्र शिक्षा अभियान से की जा सकेगी, जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त विद्यालयों में परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को एक महोत्सव के रुप में मनाया जावेगा। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के इस लाईव प्रसारण में विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकों की सामूहिक रुप से सहभागिता सुनिश्चित कि जाएगी।

परीक्षा व्यवस्था का औचक निरीक्षण किए जाने हेतु उडनदस्ता दल गठित

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा की पवित्रता, गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये मण्डल द्वारा निर्धारित 45 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा संचालन व्यवस्था के औचक निरीक्षण किये जाने हेतु निरीक्षण दलों (उडऩदस्ता) का गठन किया है । उडऩदस्ता में सीबी मांझी अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग ,चंदन कुरील एव्हीएफओ पशु चिकित्सालय चंदिया तथा सावित्री सिंह पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास विभाग शामिल है । दल प्रमुख परीक्षा तिथियों में परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगें। निरीक्षण प्रतिवेदन प्रति दिवस शाम 4 बजे केन्द्राध्यक्षो के हस्ताक्षर सहित जिला शिक्षा अधिकारी जिला उमरिया के कार्यालय को उपलब्ध करवायेगे। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं तहसीलदार अपने क्षेत्रान्तर्गत स्थित परीक्षा केन्द्रो का औचक निरीक्षण करेंगे। उपरोक्त सम्पूर्ण परीक्षा के दौरान समस्त व्यवस्थाओं के प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी उमरिया होगे, इनके द्वारा भी परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया जावेगा।

रेत से भरी ट्रेक्टर ट्राली जब्त

उमरिया। तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी ने बताया कि राजस्व निरीक्षक उमरिया लखनसिंह के साथ फार्मर रजिस्ट्री हेतु क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम कछरवार - खेरवाखुर्द मार्ग पर रेत से भरी हुई ट्रेक्टर नीले रंग की ट्राली (जिस पर वाहन नंबर अंकित नही था) में लोड खनिज (रेत) को अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। मौके पर आवश्यक दस्तावेज (ट्रांजिट पास/ड्राइविंग लायसेंस/वर्क आर्डर इत्यादि) प्रस्तुत नही किये गये और न ही ट्रेक्टर वाहन में आगे एवं पीछे रजिस्ट्रेशन नंबर लगा होना पाया गया जिस कारण वाहन को जप्त किया गया। वाहन चालक द्वारा ट्रेक्टर मालिक का नाम वाजिद अली उर्फ पिंटू भाई जान पिता स्व. मो. अली निवासी रमपुरी तहसील बांधवगढ़ बताया गया। मौके पर कार्यवाही का पंचनामा तैयार किया गया ट्रेक्टर वाहन को चौकी प्रभारी उप थाना भरौली की सुर्युदगी में दिया गया है।

उन्होने बताया कि वाहन मालिक वाजिद अली उर्फ पिंटू भाई जान पिता स्व0 मो0 अली निवासी रमपुरी समय 2.44 बजे (दोपहर) कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत किया है जिस पर उल्लेखित किया गया है कि ट्रेक्टर वाहन क्रमांक एमपी 54 ए 9229 खेरवा रेत खदान से उमरिया की ओर आ रहा था, जिस पर रेत लोड थी जिसका परिवहन क्रमांक 4850923914 दिनांक 5 फरवरी 2025 की है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्ट्रेशन की छाया प्रति, टी0पी0, बिमा की प्रति प्रस्तुत की गई। प्रस्तुत टी.पी. 12.50 बजे का समय जारी होना लेख पाया गया जबकि क्षेत्र भ्रमण के दौरान वाहन पकड़े जाने पर 12.20 बजे का समय रहा है। आवेदक से प्रस्तुत टी.पी. एवं मेरे भ्रमण के दौरान जप्त किए गये वाहन के समय में भिन्नता पाई गयी है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि जप्त किए गये वाहन की टी.पी. चौकी प्रभारी उपथाना भरौली की सुर्युदगी के पश्चात तैयार कराई गयी है। अवैध रेत परिवहन करते हुए ट्रेक्टर वाहन के संबंध में नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही किए जाने हेतु प्रतिवेदन अग्रिम कार्यवाही हेतु एसडीएम बांधवगढ को प्रेषित किया गया है।

चंदिया में जल प्रदाय परियोजना पूर्ण अब घर-घर पहुंच रहा है शुद्ध पेयजल

उमरिया।

जिले के चंदिया नगर में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा स्वीकृत जल प्रदाय परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के क्रियान्वयन से चंदिया के नागरिकों को अब नियमित, सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो रही है। परियोजना का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया है।

एमपीयूडीसीएल के प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे ने जानकारी देते हुए बताया कि चंदिया जल प्रदाय परियोजना का भौतिक प्रगति स्तर 100 प्रतिशत प्राप्त कर लिया गया है, जबकि वित्तीय प्रगति 98.5 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। परियोजना की डिज़ाइन एवं निर्माण लागत 13.66 करोड़ रुपये तथा संचालन एवं संधारण (ओ एण्ड एम) लागत 8.04 करोड़ रुपये निर्धारित की गई। इस प्रकार कुल परियोजना लागत 21.70 करोड़ रुपये है।

परियोजना के अंतर्गत महानदी को जल स्रोत के रूप में विकसित किया गया है। जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु 2 एमएलडी क्षमता का इंटेक वेल एवं 2 एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया गया है। इसके साथ ही 170 केएल और 350 केएल क्षमता के दो नवीन ओवरहेड टैंक निर्मित किए गए हैं। नगर क्षेत्र में 35 किलोमीटर लंबा वितरण नेटवर्क विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से 1,000 से अधिक घरों को घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे ने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने से चंदिया के नागरिकों को कई महत्वपूर्ण लाभ मिल रहे है। अब लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल घर पर ही उपलब्ध हो रहा है, जिससे जलजनित बीमारियों में कमी आएगी। महिलाओं और बच्चों को दूर-दराज से पानी लाने की परेशानी से राहत मिली है समय और श्रम की बचत भी हो रही है साथ ही, नियमित जल आपूर्ति से नगर में स्वच्छता, स्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता में सुधार भी देखने को मिल रहा है। चंदिया जल प्रदाय परियोजना नगरीय बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एमपीयूडीसी की हर घर नल से जल की प्रतिबद्धता को साकार करता है और नागरिकों के बेहतर भविष्य की नींव रखता है।

दिनदहाड़े सराफा कारोबारी से उड़ाया सोना-चांदी से भरा थैला

नौरोजाबाद।

थाना क्षेत्र के ग्राम रहठा में बदमाशों ने खाकी के खौफ को ठेंगा दिखाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। बाजार के पीक आवर में एक सराफा दुकानदार की महज तीन मिनट की लापरवाही उसे 6 लाख 83 हजार रुपये की चपत लगा गई। व्यस्त बाजार में हुई इस दुस्साहसिक चोरी ने नौरोजाबाद पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और गश्त के दावों की पोल खोलकर रख दी है। पीड़ित दुकानदार निवासी ढोंडा, डिंडोरी रहठा में बुद्ध काछी के मकान में अपनी दुकान संचालित करता है।

शाम के वक्त जब वह दुकान बढ़ाने की तैयारी कर रहा था, उसने सोने-चांदी के जेवरों से भरा थैला पीछे रखा और एक महिला ग्राहक से बात करने लगा। इसी बीच घात लगाए बैठे शातिर चोर ने पलक झपकते ही थैले पर हाथ साफ कर दिया। जब तक दुकानदार का ध्यान पीछे गया, उसकी जीवन भर की कमाई गायब हो चुकी थी।

जेवर, मोबाइल और बहीखाता सब ले उड़े चोर

चोरी गए थैले में 25 ग्राम सोना कीमत 2.25 लाख और करीब 5 किलो चांदी के जेवर कीमत 4.50 लाख मौजूद थे। चोर इतने बेखौफ थे कि वे केवल जेवर ही नहीं, बल्कि दुकानदार का मोबाइल, वजन का कांटा, बिल बुक और डायरी भी उठा ले गए। दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है।

सीसीटीवी के भरोसे खाकी

घटना के बाद नौरोजाबाद थाना प्रभारी बालेंद्र शर्मा ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अपनी साख बचाने की कोशिश कर रही है। बड़ा सवाल यह है कि अपराधी इतने निडर कैसे हो गए कि भीड़ के बीच से साढ़े छह लाख का माल लेकर रफूचक्कर हो गए। यदि जल्द ही चोरी का खुलासा और माल की बरामदगी नहीं हुई, तो व्यापारी संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। आखिर कब तक अपराधी पुलिस की सुस्ती का फायदा उठाकर मेहनतकश व्यापारियों की कमर तोड़ते रहेंगे।

पानी टंकी मरम्मत के नाम पर आए दिन पेयजल सप्लाई कर रहे बाधित

ठेकेदार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे नागरिक

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

शासन के द्वारा नगर में नल जल योजना के तहत 19 करोड़ की लागत से पेयजल सप्लाई का कार्य स्वीकृत किया गया था। जिसका ठेका चंद्रा निर्माण कंपनी को दिया गया था लेकिन ठेकेदार के द्वारा नगर में पाइप लाइन विस्तार के साथ ही पानी टंकी का निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन करवाया गया जिसके कारण आए दिन नगर में पेयजल सप्लाई बाधित हो रही है। नगर के वार्ड क्रमांक 7 चौधरी मोहल्ला में पानी टंकी का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा करवाया गया था लेकिन गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य कारवाये जाने के कारण शुरू से ही पानी टंकी लीकेज थी ठेकेदार अपनी कमी छुपाने के लिए पूरी तरह से पानी टंकी में पानी नहीं भर रहा था जिसकी शिकायत नागरिकों के द्वारा आए दिन नगर पालिका में की जा रही थी नगर पालिका के द्वारा ठेकेदार का भुगतान भी रोका गया था। 10 दिन पूर्व ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी मरम्मत कार्यवाही जाने को लेकर तीन दिन नगर की पानी सप्लाई बाधित कर दी गई थी जिसके कारण नागरिक पानी के लिए परेशान होते नजर आए। और ठेकेदार के द्वारा नगर पालिका को जानकारी दी गई की पानी टंकी का मरम्मत कार्य करवा दिया गया है और उसके बाद पानी सप्लाई शुरू कर दी गई लेकिन ठेकेदार के द्वारा नगर पालिका को झूठी जानकारी दी गई लेकिन जब निरीक्षण नगर पालिका के अधिकारियों के द्वारा किया गया तो पानी टंकी लीकेज हो रही थी। ठेकेदार के द्वारा गुरुवार शुक्रवार 2 दिन नगर की पेयजल सप्लाई पुर्ण बाधित करवा दी गई और यह कहा जा रहा है कि पानी टंकी का मरम्मत कार्य करवाया जा रहा है। नागरिकों ने गुणवत्ता विहीन पानी टंकी निर्माण को लेकर नगर पालिका प्रशासन से ठेकेदार के विरुद्ध मामला दर्ज करवाई जाने की मांग की है। वही नगर पालिका के अधिकारियों का कहना है कि अभी भी ठेकेदार का 24 लाख का भुगतान रोका गया है। नागरिकों का कहना है कि क्या आए दिन पानी टंकी मरम्मत के नाम पर ऐसे ही नगर की पेय जल सप्लाई बाधित की जाएगी सप्लाई नहीं होने के कारण नागरिक पानी के लिए परेशान होते नजर आ रहे हैं पानी का टैंकर भी पानी सप्लाई करते नगर मे नहीं देखा जा रहा है।

इनका कहना है

दस दिन पूर्व ठेकेदार के द्वारा पानी टंकी मरम्मत कार्य करवाने हेतु नगर की पेयजल आपूर्ति बाधित करवाई गई थी लेकिन फिर पानी टंकी लीकेज है जिसके मरम्मत कार्य होने के कारण दो दिन नगर की पेयजल सप्लाई बाधित की गई है। ठेकेदार का 24 लाख रुपए का भुगतान रोका गया है।

प्रदीप झारिया, सीएमओ
नगर पालिका कोतमा

एसईसीएल जमुना कोतमा में तानाशाही

संपदा अधिकारी पर पूर्व कर्मचारी के साथ अमानवीय व्यवहार का गंभीर मामला

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना

एसईसीएल के जमुना कोतमा क्षेत्र में प्रबंधन की कार्यशैली एक बार फिर विवादों में घिर गई है। माइनर्स कॉलोनी, जमुना टाउनशिप निवासी वरिष्ठ पूर्व कर्मचारी जगन्नाथ प्रसाद गर्ग ने प्रबंधन, विशेष रूप से संपदा अधिकारी एवं जी.एम. ऑपरेशन अजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि न्यायालयीन प्रकरण लंबित होने के बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना के उनके आवास का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया, जो नियमों और मानवीय संवेदनाओं दोनों के विपरीत है। पीड़ति के अनुसार, उनका मामला वर्ष 2014 से उच्च न्यायालय जबलपुर में लंबित है। कंपनी के नियम 25.3 के तहत न्यायालयीन प्रकरण लंबित रहने तक आवास सुरक्षा का प्रावधान है, इसके बावजूद प्रबंधन द्वारा लगातार दबाव बनाया जा रहा है और बेदखली की मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। जगन्नाथ प्रसाद गर्ग का आरोप है कि 30 जनवरी को वे अपने पुत्र के साथ बिजली-पानी की समस्या और नोटिस के संबंध में सुनवाई के लिए संपदा अधिकारी के कार्यालय पहुंचे, जहां न तो उनकी बात सुनी गई और न ही कोई वैधानिक समाधान दिया गया। उलटे अधिकारी द्वारा ऊंची आवाज में डांटते हुए पिता-पुत्र का घोर अपमान किया गया और उन्हें कार्यालय से बाहर कर दिया गया। एक वरिष्ठ नागरिक का अपने ही पुत्र के सामने इस प्रकार अपमान किया जाना निंदनीय बताया जा रहा है। पीड़ति का कहना है कि बिजली-पानी काटना न केवल अमानवीय कृत्य है, बल्कि यह न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में भी आता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मानसिक तनाव, अपमान या मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण उन्हें या उनके परिवार को किसी भी प्रकार की क्षति होती है, तो इसकी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन और संबंधित अधिकारी की होगी।

सूचना के अधिकार से जुड़ा आरोप

गर्ग ने यह भी आरोप लगाया है कि सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में संपदा अधिकारी द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई, बल्कि गलत विवरण दिया गया। उनका दावा है कि रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की शिकायत उन्होंने उच्च अधिकारियों से की है, जिसकी जांच चल रही है और इसी जांच से बचने के लिए उन पर दबाव बनाने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। मामले के सामने आने के बाद ट्रेड यूनियनों में रोष बताया जा रहा है। यूनियन नेताओं का कहना है कि यदि शीघ्र ही बिजली-पानी बहाल नहीं किया गया और जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

खबर संक्षेप

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आज

कटनी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में 5 फरवरी को अपरान्ह 3 बजे से आयोजित होगी। सुश्री कौर द्वारा आयोजित बैठक में विभागीय योजनाओं, कार्यक्रमों के साथ सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्य, अपूर्ण आंगनवाड़ी भवनों, अधोसंरचना मद से स्वीकृत कार्यों, मनरेगा,पंचायत (निर्माण),15वां वित्त,मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम (एमडीएम) /शिकायत शाखा, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वाटरशेड), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), विधि शाखा एवं सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण की समीक्षा की जाएगी। आयोजित बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री, संभाग कटनी, समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला पंचायत के समस्त शाखा प्रभारी सहायक यंत्री,उपयंत्री, एपीओ / एएओ मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं स्वच्छ भारत मिशन के सभी विकासखंड समन्वयक, ब्लॉक मैनेजर एनआरएलएम और समस्त जनपद शिक्षा केंद्र के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक को निर्धारित एजेंडा के अनुसार अद्यतन जानकारी, नियत समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया है।

करंट से महिला की मौत के मामले में 6 माह बाद मामला दर्ज

कटनी। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम संसारपुर में करीब 6 महीने पहले 35 वर्षीय महिला की करंट लगने से मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में संबंधित कंपनी के संचालक और स्थानीय कर्मचारी के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना बीते साल 11 जुलाई 2025 की शाम करीब 7:00 बजे हुई थी। ग्राम संसारपुर स्थित खेत में मुन्नी बाई 35 वर्ष पति दसईराम भुमिया निवासी संसारपुर काम कर रही थीं। इसी दौरान वह बिजली की चपेट में आ गईं और उनकी मृत्यु हो गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की गई थी। एलटेल पावर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए जा रहे कार्यों में लापरवाही बरती गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने जांच के बाद 3 फरवरी को संचालक एलटेल पावर प्राइवेट लिमिटेड, स्थानीय कर्मचारी पुष्पराज सिंह पिता बंस राज सिंह 41 वर्ष निवासी चाणक्य कॉलोनी, थाना कोलगवां, जिला सतना के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) धारा 106(1), 125(A) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

महाशिवरात्रि पर निकलेगी शिव बारात और महाकाल सवारी

कटनी। महाशिवरात्रि पर्व पर मधई मंदिर में 15 फरवरी को भगवान शंकर की भव्य शोभायात्रा, शिव बारात और महाकाल बाबा की सवारी निकालने की तैयारियां जारी हैं। इस बारात में समाजसेवी कैलाश पाठक भगवान शिव के स्वरूप में नजर आएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत तड़के सुबह 4:00 बजे भस्म आरती के साथ होगी। इसके पश्चात दोपहर 1:00 बजे भगवान शिव का महारुद्राभिषेक संपन्न कराया जाएगा। दोपहर 2:00 बजे मंदिर परिसर से राधा रानी भजन मंडल के साथ शिवजी की बारात निकाली जाएगी। इस वर्ष विशेष आकर्षण के रूप में कैलाश पाठक भगवान शिव के स्वरूप में नजर आएंगे। शाम को 'उज्जैन के राजा' भजन के प्रसिद्ध गायक भजन सम्राट किशन भगत अपने सुमधुर भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे। आयोजन का समापन रात्रि 7:30 बजे भव्य पंच महाआरती के साथ होगा। आयोजक और समस्त शिवभक्तों ने क्षेत्र की जनता से इस पुनीत कार्य में सम्मिलित होने और धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

सीईओ ने ग्राम पंचायत बेंदी, देवरी, कोयलारी, दमेहड़ी पहुंच कर विकास कार्यों का लिया जायजा

जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने पुष्पराजगढ़ विकासखंड के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीण विकास तथा जनहित के कार्यों का मैदानी भ्रमण कर जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत बेंदी, देवरी, कोयलारी, दमेहड़ी का भ्रमण किया। ग्राम पंचायत बेंदी में प्रधानमंत्री जनमन आवास तथा पीएम जनमन बहुउद्देशीय सामुदायिक भवन का जायजा।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

उन्होंने पीएम जनमन बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र का निरीक्षण करते हुए भवन के गुणवत्ता में सुधार तथा विसंगतियों को आगामी एक माह में दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन का निरीक्षण करते हुए सामग्री की गुणवत्ता को सुधारने तथा भवन में पेयजल एवं बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश ठेकेदार को दिए। जिला पंचायत सीईओ ने मनरेगा योजना अंतर्गत एक बगिया मां के नाम पौधारोपण एवं फेंसिंग कार्य का जायजा लेते हुए हितग्राही झुलमत बाई, सुदशिया बाई और सुरतेली बाई से पौधों के सम्बन्ध मे जानकारी ली तथा पौधों की जीवंत बनाए रखने के संबंध में उन्हें सजग रहकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि योजना को सफल बनाने के लिए उनका कर्मठ योगदान महत्वपूर्ण है। ग्राम पंचायत देवरी परिसर में निर्मित किए जा रहे हैं मंगल भवन निर्माण कार्य तथा आंगनबाड़ी केंद्र का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों से चर्चा की बच्चों ने अपनी पढ़ाई के संबंध में अवगत कराया उनके अक्षर ज्ञान को देखकर जिला पंचायत सीईओ ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा छात्र सहदेव की सराहना की, उन्होंने मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से सुपोषण अभियान की जानकारी ली उन्होंने ग्राम पंचायत परिसर में संचालित संकल्प से समाधान अभियान के संबंध में सचिव से जानकारी प्राप्त की।

प्राथमिक विद्यालय देवरी तथा शिवनी संगम में मध्यान भोजन व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने व्यवस्थाओं के सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने सामुदायिक स्वच्छता परिसर शिवनी संगम को व्यवस्थित तथा साफ सुथरा कर उसे उपयोग में लाने के संबंध में सचिव को निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आगामी 10 दिवस में व्यवस्था में सुधार किया जाए। भ्रमण के दौरान जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम सिवनी संगम स्थित कल्पवृक्ष के संरक्षण के लिए बनाए गए ग्रेवियन संरचना का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा कल्पवृक्ष परिसर के विकास से संबंधित कार्यों के निर्देश दिए। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत दमेहड़ी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए एएनसी पंजीयन, जांच तथा स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध डिलीवरी की सुविधा तथा स्वास्थ्य केंद्र में मूलभूत व्यवस्थाएं पानी, शौचालय आदि का विस्तार से निरीक्षण करते हुए मौके पर उपस्थित प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान बालिका छात्रावास दमेहड़ी तथा आदिवासी बालक आश्रम दमेहड़ी का निरीक्षण कर वार्डन को व्यवस्थाओं में सुधार करने तथा बिगडी मशीनरी सामग्री के मरम्मत एवं छात्रों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छठ तालाब में चला स्वच्छता का अभियान, जन अभियान परिषद के नेतृत्व में हुआ सामूहिक श्रमदान

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकासखंड अनूपपुर के सेक्टर क्रमांक 04 अंतर्गत जमुना कॉलरी क्षेत्र स्थित छठ तालाब में ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के तहत 5 फरवरी को सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। इस दौरान तालाब परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि छठ तालाब से स्थानीय नागरिकों की गहरी आस्था जुड़ी है, जहां प्रत्येक वर्ष छठ पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए तालाब को स्वच्छ रखने, जल स्त्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से श्रमदान किया गया। उपस्थित जनों ने "पर्यावरण संरक्षण हम सब की जिम्मेदारी" और जल संरक्षण से जुड़े नारे भी लगाए। इस अवसर पर नगर विकास प्रस्फुटन समिति पसान (नवांकुर संस्था), प्रस्फुटन समिति जमुना, पसान व भालूमाड़ा के प्रतिनिधि, परामर्शदाता, समाजसेवी, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ता, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और तालाबों को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर जनभागीदारी का आहवान किया गया।

ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता चयन प्रक्रिया पर दावा-आपत्ति परियोजना अधिकारी को सौंपा आवेदन

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

महिला एवं बाल विकास परियोजना अंतर्गत ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता के चयन को लेकर दावा/आपत्ति का मामला सामने आया है। ग्राम कटकोना निवासी आवेदिका अंशिका पाण्डेय ने परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास परियोजना कोतमा को आवेदन पत्र सौंपकर चयन प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज कराई है। आवेदिका अंशिका पाण्डेय ने अपने आवेदन में बताया कि उन्होंने ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन क्रमांक 350254053 के अंतर्गत 9 जनवरी 2026 को आवेदन प्रस्तुत किया था। इसके पश्चात 29 जनवरी 2026 को आयोजित चयन प्रक्रिया में उनका नाम तीसरे क्रम पर सूचीबद्ध किया गया है।

अंशिका पाण्डेय सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थी हैं तथा उन्होंने कक्षा 12वीं परीक्षा 78 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम कटकोना की अन्य महिला आवेदिका जमुना बाई गोड़, पति संजय सिंह गोड़ के स्थान पर उन्हें ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता पद पर चयनित किया जाना चाहिए। आवेदिका का तर्क है कि शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य मापदंडों के आधार पर वह उक्त पद के लिए पूर्णतः पात्र हैं। अंशिका पाण्डेय ने परियोजना अधिकारी से निवेदन किया है कि उनके द्वारा प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर गंभीरता से विचार करते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा नियमों के अनुरूप निर्णय लिया जाए। उन्होंने यह भी अपेक्षा जताई है कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखते हुए योग्य अभ्यर्थी को ही अवसर प्रदान किया जाए। इस संबंध में परियोजना कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि की गई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त दावा/आपत्तियों की नियमानुसार जांच की जाएगी तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता पद को लेकर क्षेत्र में पहले भी कई बार आपत्तियां सामने आती रही हैं, ऐसे में अब सभी की निगाहें विभागीय निर्णय पर टिकी हुई हैं। बताया जा रहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के चयन पद पर यह भी गंभीर आरोप लगाया जा रहा है कि वहां के किसी बाबू के द्वारा द्वारा जिस लड़की का चयन हुआ है उसमें कुछ अंक पढ़कर सामने शो किया गया है जिस कारण उस लड़की का चयन हुआ है बताया जा रहा है कि परियोजना विभाग के किसी बाबू के द्वारा यह चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई है।

गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 7 फरवरी से होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन 7 फरवरी से शुरू होगा। किसान 7 फरवरी से 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर आशीष तिवारी ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। इन केन्द्रों पर पंजीयन के लिये शुल्क राशि प्राप्त करने के संबंध में कलेक्टर निर्देश जारी करेंगे। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान-पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा। पूर्व वर्षों की किसी अपात्र संस्था में केन्द्र प्रभारी एवं ऑपरेटर को किसी अन्य संस्था में पंजीयन के लिए नहीं रखा जायेगा।

पोषण सेवाओं की पारदर्शिता, नियमित मॉनिटरिंग, एवं समयबद्ध आपूर्ति जरूरी-कलेक्टर

संपूर्णता अभियान 2.0 की कलेक्टर ने समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में नीति आयोग के आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (पुष्पराजगढ़) अंतर्गत 28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026 तक संचालित किए जा रहे "संपूर्णता अभियान 2.0" की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत निर्धारित 6 प्रमुख सूचकांकों में शत-प्रतिशत परिपूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि एवं बुनियादी ढांचे से जुड़े महत्वपूर्ण संकेतकों में पूर्णता प्राप्त कर क्षेत्र का समग्र एवं सतत विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में कलेक्टर ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते से आंगनबाड़ी केंद्रों में 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के पूर्ण टीकाकरण, टेक होम राशन तथा गर्म पका भोजन की समीक्षा कर पोषण सेवाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए पारदर्शी एवं समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र बच्चा या महिला सेवाओं से वंचित न रहे। कलेक्टर ने बालिकाओं के लिए कार्यशील एवं सुरक्षित शौचालयों की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय की उपलब्धता, स्वच्छता साथी के माध्यम से नियमित साफ-सफाई एवं उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नवीन विद्यालय भवनों में शौचालय निर्माण तथा पुराने विद्यालय भवनों में आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त शौचालय निर्माण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। बैठक में संपूर्णता अभियान 2.0 से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूषा शर्मा, जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र आशुतोष कुशवाहा, एबीपी फेलो राजस्वनी शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में बोर्ड परीक्षा निर्विघ्न, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित कराएं सम्पन्न-सीईओ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी ने आज जिला पंचायत सभागार में बोर्ड परीक्षा के संबंध में केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशों का सख्ती से पालन करते हुए हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड की परीक्षा निर्विघ्न, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित सम्पन्न कराएं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इस हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई इत्यादि उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्द्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनातगी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था व अनुशासनहीनता की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रारंभ से लेकर समाप्ति तक बोर्ड परीक्षा के सभी नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षा केन्द्र पर नकल की घटना होने या परीक्षा की विश्वसनीयता एवं गोपनीयता भंग होने तथा अव्यवस्था फैलने की दशा में संबंधित केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष पर शासन के नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने अधिकारियों से गोपनीय परीक्षा सामग्री तथा प्रश्न पत्र के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा में आने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी इसमें लगाई जाए। जिससे परीक्षा केन्द्र में आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को अवगत कराया गया कि जिले में कुल 59 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिसमें 10 वीं के 7885 तथा 12 वीं के 6314 विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सुश्री सरिता नायक, जिला शिक्षा अधिकारी तुलाराम आर्मो, सहायक संचालक शिक्षा विभाग ओमकार सिंह धुर्वे, रमसा के जिला परियोजना समन्वयक देवेश सिंह बघेल, परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष व सहायक केन्द्राध्यक्ष उपस्थित रहे।

रोजाना दो वार्डो की विभिन्न गलियों में फागिंग मशीन से छोड़ा जाएगा धुंआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मच्छर जनित बीमारियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने कैलेण्डर निर्धारित कर प्रतिदिन वार्डों में फॉगिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि निर्धारित कैलेण्डर अनुरूप अभियान के तहत 4 फरवरी बुधवार को शाम 5:30 बजे से वार्ड क्रमांक 1 एवं 2 की विभिन्न गलियों में कीटनाशक दवा का छिडकाव किया जाएगा। वहीं 5 फरवरी को वार्ड क्रमांक 3 एवं 4 में 6 फरवरी को वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 में, 7 फरवरी को वार्ड क्रमांक 7 एवं 8 में 8 फरवरी को वार्ड क्रमांक 9 एवं 10 में, 9 फरवरी को वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 में 10 फरवरी को वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में, 11 फरवरी को वार्ड क्रमांक 15 एवं 16 में 12 फरवरी को वार्ड क्रमांक 17 एवं 18 में, 13 फरवरी को वार्ड क्रमांक 19 एवं 20 में तथा 14 फरवरी को वार्ड क्रमांक 21 एवं 22 में फागिंग अभियान चलाया जायेगा।

इसी प्रकार 15 फरवरी को वार्ड क्रमांक 23 एवं 24 में, 16 फरवरी को वार्ड क्रमांक 25 एवं 26 में , 17 फरवरी को वार्ड क्रमांक 27 एवं 28 में,18 फरवरी को वार्ड क्रमांक 29 एवं 30 में, 19 फरवरी को वार्ड क्रमांक 31 एवं 32 में , 20 फरवरी को वार्ड क्रमांक 33 एवं 34 में, 21 फरवरी को वार्ड क्रमांक 35 एवं 37 में, 22 फरवरी को वार्ड क्रमांक 38 एवं 39 में , 23 फरवरी को वार्ड क्रमांक 40 एवं 41 में , 24 फरवरी को वार्ड क्रमांक 42 एवं 43 में तथा 25 फरवरी को वार्ड क्रमांक 44 एवं 45 में फागिंग अभियान चलाकर कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जाएगा।

खबर संक्षेप

नवोदय विद्यालय में 7 फरवरी को कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं की चयन परीक्षा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक के तत्वावधान में कक्षा 9 एवं 11 की चयन परीक्षा का आयोजन 07 फरवरी (शनिवार) को किया जाएगा। चयन परीक्षा को लेकर क्षेत्र में शैक्षणिक वातावरण उत्साहपूर्ण बना हुआ है। विद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 9 वीं के लिए कुल 415 परीक्षार्थी तथा कक्षा 11 वीं के लिए कुल 108 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा के सुचारु एवं सुव्यवस्थित संचालन हेतु कुल 02 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। प्रथम परीक्षा केंद्र पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक तथा द्वितीय परीक्षा केंद्र सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक बनाया गया है। चयन परीक्षा के प्रवेश पत्र पूर्व में ही जारी किए जा चुके हैं। परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र सीबीएसई आईटीएमएस की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी कारणवश यदि प्रवेश पत्र डाउनलोड नहीं हो पा रहा हो, तो संबंधित परीक्षार्थी विद्यालय कार्यालय से भी प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं। उक्त आशय की जानकारी विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि कक्षा 9 वीं एवं 11 वीं की चयन परीक्षा 7 फरवरी, दिन शनिवार को आयोजित की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी परीक्षार्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने, प्रवेश पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज साथ रखने तथा परीक्षा से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का भूमि पूजन सम्पन्न

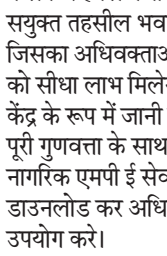

हरिभूमि न्यूज कोतमा। गुरुवार को तहसील परिसर में संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का भूमि पूजन कोतमा विधायक एवं मंत्री दिलीप जायसवाल, नपाध्यक्ष अजय सराफ एवं कलेक्टर हर्षल पंचोली की उपस्थिति मे किया गया। 9 करोड़ 11 लाख 99 हजार रुपए की लागत से बनने वाले इस भवन में समस्त विभागों के कार्यालय संचालित होंगे। 2 मंजिला भवन 10 माह में पूर्ण होगा। जिससे सभाकक्ष, रैंप भवन की सुविधा मिलेगी। भवन पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की जनता को लाभ मिलेगा क्षेत्र के नागरिकों को अनूपपुर जाने की परेशानी से निजात मिलेगी। नवीन भवन भूमिपूजन के दौरान जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली, जनपद अध्यक्ष जीवन सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, अभिषेक सिंह सहित एसडीयम टीआर नाग, तहसीलदार दशरथ सिंह, सीएमओ प्रदीप झारिया सहित प्रशासनिक अधिकारी, पटवारी अभिमन्यु पाल, नगर पालिका कर्मचारी, राजस्व विभाग एवं नागरिक उपस्थित रहे। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा सयुक्त तहसील भवन जल्द बनेगा जिसका अधिवक्ताओं एवं जनता को सीधा लाभ मिलेगा। सुविधा केंद्र के रूप में जानी जाएगी। भवन पूरी गुणवत्ता के साथ बनेगा। सभी नागरिक एमपी ई सेवा एप को डाउनलोड कर अधिक से अधिक उपयोग करे।

अनूपपुर-जैतहरी में गजराज का राज

45 दिनों से खेतों पर कब्जा, पटाखे भी पड़े बेअसर

अनूपपुर और जैतहरी अंचल इन दिनों दहशत के साये में जी रहा है। बीते 45 दिनों से तीन हाथियों का दल क्षेत्र में डेरा डाले हुए है। दिन में जंगल और रात में किसानों के खेत इन गजराजों का भोजनालय बन चुके हैं। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि ग्रामीणों के शोर, पटाखे और प्रयास सब नाकाम हो रहे हैं, जबकि फसलें और घर लगातार तबाही झेल रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में मानव/हाथी संघर्ष अब गंभीर संकट बन चुका है। तीन हाथियों का यह समूह दो भागों में बंटकर अनूपपुर और जैतहरी तहसील के इलाकों में लगातार विचरण कर रहा है। एक ओर जैतहरी के जंगलों में दो हाथी बीते पांच दिनों से दिन-रात ठहरे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर एक दंतैल नर हाथी अनूपपुर के सोनमौहरी बीट से निकलकर आसपास के गांवों में आतंक का पर्याय बन गया है। किसानों की महीनों की मेहनत चंद घंटों में बर्बाद हो रही है। गेहूं, अरहर, केला, धान कोई भी फसल सुरक्षित नहीं है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों द्वारा जलाए गए पटाखों को भी यह हाथी अपने पैरों से कुचलकर बेअसर कर देता है। वन विभाग अलर्ट है, गश्त बढ़ाई गई है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि ग्रामीण डर और नुकसान के बीच फंसे हुए हैं।

45 दिनों से हाथियों का डेरा खेत रात का शिकार

पिछले 45 दिनों से हाथियों का यह दल अनूपपुर और जैतहरी क्षेत्र में स्थायी रूप से विचरण कर रहा है। दिन के समय हाथी घने जंगलों में विश्राम करते हैं, लेकिन जैसे ही अंधेरा ढलता है, वे जंगल की सीमा लांघकर सीधे किसानों के खेतों में पहुंच जाते हैं। यह सिलसिला अब रोज़मर्रा की घटना बन चुका है। किसानों की खड़ी फसलें हाथियों के लिए आसान भोजन बन गई हैं। ग्रामीण रात-रात भर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं, फिर भी नुकसान नहीं रुक पा रहा है। खेतों में हाथियों के पैरों के निशान अब डर की पहचान बन चुके हैं, जो यह बताते हैं कि हालात कितने गंभीर हो चुके हैं।

दंतैल नर हाथी का आतंक, अकेला पर सबसे ज्यादा खतरनाक

सोनमौहरी बीट के जंगल में ठहरा एक दांत वाला नर हाथी इलाके के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन गया है। यह हाथी दिन में जंगल में आराम करता है और शाम ढलते ही अमगवां, सेंदुरी सहित आसपास के गांवों की ओर निकल पड़ता है। गणेश सिंह मार्को के खेत में लगे गेहूं और अरहर की फसल को इस हाथी ने लगातार कई दिनों तक नुकसान पहुंचाया है। यही नहीं, यह हाथी खेतों में रखे सिंचाई पाइप तक उठाकर ले गया है। ग्रामीणों के अनुसार, यह हाथी बेहद आक्रामक और चालाक है, जो किसी भी तरह के डराने के उपायों से प्रभावित नहीं होता है।

पटाखे भी बेअसर, पैर से कुचलता है चिंगारी

ग्रामीणों ने हाथी को भगाने के लिए पारंपरिक तरीके अपनाए जिसमें ढोल, शोर-शराबा और जलते पटाखे शामिल हैं। लेकिन यह दंतैल हाथी इन सभी उपायों पर भारी पड़ रहा है। जैसे ही पटाखा जलाकर उसकी ओर फेंका जाता है, हाथी तेजी से उसकी ओर बढ़ता है और अपने पैरों से उसे दबाकर नष्ट कर देता है। इसके बाद वह चिंघाड़ते हुए ग्रामीणों की ओर दौड़ पड़ता है, जिससे भगदड़ मच जाती है। इस दृश्य ने गांव वालों के हौसले तोड़ दिए हैं। अब लोग हाथी के सामने खड़े होने से भी डरने लगे हैं, क्योंकि एक छोटी सी चूक जानलेवा साबित हो सकती है।

खेत से घर तक पहुंची तबाही

हाथी की दहशत अब केवल खेतों तक सीमित नहीं रही है। बुधवार और गुरुवार की मध्य रात्रि यह हाथी सेंदुरी गांव पहुंचा, जहां संजय चर्मकार के घर के पास ईंट की दीवार तोड़ दी। आंगन में लगे केले के पेड़ों को खा गया और दो बोरियों में रखा धान भी चट कर गया है। इसके बाद यह हाथी चौरा क्षेत्र के पास रामलखन और दिनेश राठौर के खेतों में घुस गया और गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। घरों तक पहुंची यह तबाही ग्रामीणों के लिए खतरे की घंटी है।

वन विभाग अलर्ट, गश्त जारी, फिर भी ग्रामीणों में डर कायम

हाथियों की लगातार गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने अलग-अलग गश्ती दल तैनात किए हैं। विभाग द्वारा ग्रामीणों को हाथियों के नजदीक न जाने, रात में सतर्क रहने और कच्चे मकानों में सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। जैतहरी क्षेत्र के धनगवां बीट सहित कई जंगलों में दो अन्य हाथी दिन-रात विचरण कर रहे हैं, जो अपने साथी का इंतजार कर रहे हैं। बावजूद इसके, ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ अपील से समस्या का समाधान नहीं होगा। जब तक ठोस व्यवस्था नहीं होती, तब तक डर और नुकसान यूं ही जारी रहेगा।

22 नग पड़ा से भरा ट्रक पकड़ा, 2 पड़ा की मौत, चालक हुए फरार

पशु क्रूरता अधिनियम में वाहन मालिक पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम।

4 फरवरी की दरम्यानी रात राजेंद्रग्राम पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 नग पड़ा से ठूस-ठूसकर लोड एक ट्रक को पकड़ने में सफलता हासिल की। इस अमानवीय परिवहन के चलते दो पड़ों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि वाहन चालक पुलिस को देखकर ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामले में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत वाहन मालिक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कुम्हरवार क्षेत्र से थाना अमरकंटक अंतर्गत ट्रक क्रमांक युपी 71 सी 9528 में अवैध रूप से पड़ों को ले जाने की सूचना मुखबिर के माध्यम से एसडीओपी नवीन तिवारी को मिली। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उनके मार्गदर्शन में थाना राजेंद्रग्राम पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध ट्रक का पीछा शुरू किया। पुलिस ने ग्राम घोटई के जंगल क्षेत्र में घेराबंदी कर ट्रक को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान चालक वाहन को जंगल में छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद ट्रक को कब्जे में लेकर थाना राजेंद्रग्राम लाया। जांच के दौरान ट्रक में 22 नग पड़ा अमानवीय स्थिति में ठूंसकर भरे पाए गए, जिनमें से 20 जीवित थे। सभी जीवित पड़ों को ग्राम पंचायत मौहारी की गोशाला में सुरक्षित पहुंचाकर सरपंच के सुपुर्द किया गया, ताकि उनका उचित देखभाल और उपचार हो सके। वहीं, दो मृत पड़ों का पोस्टमार्टम कराकर आगे की वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस ने इस मामले में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई की है। साथ ही फरार चालक की तलाश भी तेज कर दी गई है। इस पूरी कार्रवाई में एएसआई यादवेंद्र सिंह एवं प्रधान आरक्षक 342 राजेंद्र यादव की भूमिका सराहनीय बताई जा रही है।

पटवारियों ने समस्याओं को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन 9 फरवरी से हड़ताल की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर ने अपनी विभिन्न न्यायोचित समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर कलेक्टर अनूपपुर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि दो दिवस के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 9 फरवरी से जिले के समस्त पटवारी संपूर्ण शासकीय कार्यों का बहिष्कार करते हुए सामूहिक अवकाश पर रहेंगे, इसके पश्चात अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। ज्ञापन में पटवारियों ने आरोप लगाया कि जिले की सभी तहसीलों में विगत 100 दिनों से अधिक समय से देर शाम तक, यहां तक कि रविवार और शासकीय अवकाश के

दिनों में भी बैठकें आयोजित की जा रही हैं, जो नियम विरुद्ध है। इससे पटवारियों के स्वास्थ्य, पारिवारिक जीवन और कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। केवल एक बैठक में अनुपस्थित रहने पर तीन दिन का वेतन काटे जाने को संघ ने मनमानी और प्रताड़नात्मक कार्रवाई बताया। संघ ने जियो-टैग गिरदावरी, फार्मर आईडी, नवोदित पटवारियों को पूर्ण वेतन, मनमाने अर्थदंड, निलंबन, लंबित भुगतानों तथा फार्मर रजिस्ट्री व अन्य योजनाओं के भुगतान न होने जैसे गंभीर मुद्दे उठाए। पटवारियों का कहना है कि अधिकांश योजनाओं का कार्य उनसे कराया जाता है, लेकिन भुगतान वर्षों तक लंबित रखा जाता है। संघ ने चेतावनी दी कि यदि तय समयसीमा में समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

कोतमा स्टेशन निरीक्षण बना औपचारिकता, 40 मिनट में लौटे डीआरएम, मूलभूत सुविधाओं पर जताई नाराज़गी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

बिलासपुर रेलवे मंडल के डीआरएम द्वारा गुरुवार को कोतमा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया, लेकिन यह निरीक्षण महज औपचारिकता बनकर रह गया। करीब 40 मिनट के संक्षिप्त दौरे में डीआरएम ने प्लेटफॉर्म निर्माण, स्टेशन परिसर की सफाई व्यवस्था तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्टेशन पर कई मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी सामने आई, जिस पर डीआरएम ने कड़ी नाराज़गी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म विस्तार निर्माण पर गुणवत्ता की कमी, अधूरा निर्माण कार्य, जगह-जगह गंदगी और सबसे अहम वाटर कूलर लंबे समय से बंद रहने का मामला उजागर हुआ। यात्रियों को पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित देख डीआरएम ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और शीघ्र सुधार के

निर्देश दिए। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों में इस बात को लेकर रोष है कि निरीक्षण की सूचना के बावजूद नगरवासी अपनी समस्याएं और रेल सुविधाओं से जुड़ी मांगें रखने स्टेशन तक नहीं पहुंच सके। लोगों का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधियों और आम यात्रियों से संवाद किया जाता तो कोतमा स्टेशन की वास्तविक स्थिति सामने आ सकती थी। नगरवासियों का आरोप है कि स्टेशन वर्षों से अव्यवस्थाओं का शिकार है, लेकिन रेलवे प्रशासन केवल कागजी निरीक्षण कर अपनी जिम्मेदारी से बचता नजर आ रहा है। यात्रियों ने प्लेटफॉर्म शेड, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और ट्रेनों के ठहराव जैसी मांगों को दोहराते हुए स्थायी समाधान की मांग की है। निरीक्षण के बाद डीआरएम के रवाना होते ही स्टेशन की स्थिति जस की तस बनी रही, जिससे रेलवे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय जनता ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

रामपुर-बटूरा मेगा प्रोजेक्ट बना अभिशाप

बैरिहा और खांडा के ग्रामीणों का हल्ला बोल, उग्र आंदोलन

हरिभूमि न्यूज<अनूपपुर।

रामपुर-बटूरा मेगा प्रोजेक्ट की शुरुआत के साथ ही ग्राम बैरिहा और खांडा के ग्रामीणों के लिए अच्छे दिन की जगह काले दिन शुरू हो गए हैं। खेती की बर्बादी, जल संकट और जानलेवा प्रदूषण से त्रस्त ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी और पूर्व जनपद सदस्य राजबहोर चंद्रा ने प्रेस वार्ता कर प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कृषक अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि माइंस शुरू होने के बाद से खेती का ग्राफ गिरकर 30 से 40 प्रतिशत रह गया है। हैवी ब्लास्टिंग और उत्खनन के कारण कुएं, तालाब और बोरवेल पूरी तरह सूख चुके हैं। आदिवासी क्षेत्रों में पीने के पानी की भीषण समस्या खड़ी हो गई है, जिससे ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। बैरिहा गांव में प्रदूषण का आलम यह है कि हर घर की छत पर कोयले की धूल की एक मोटी परत

जमी है, जो डामर के लेपन जैसी दिखाई देती है। ब्लास्टिंग की तीव्रता इतनी अधिक है कि स्कूली भवन कभी भी भरभरा कर गिर सकते हैं, जिससे मासूम बच्चों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। पेड़ों से लेकर घरों तक सिर्फ कालिख ही कालिख नजर आती है, जिससे बीमारियां पैर पसार रही हैं। राजबहोर चंद्रा पूर्व जनपद सदस्य ने प्रबंधन को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि रामपुर से आंचल वाटिका तक की सड़कें 'डेथ ट्रैप' बन चुकी हैं। ओवरलोड गाड़ियों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़कों के किनारे पटरी भराव न होने से एम्बुलेंस तक जाम में फंस जाती है, जिससे कई लोग जान गंवा चुके हैं। आरोप है कि प्रबंधन ने सीएसआर फंड से क्षेत्र में एक टोकरी मिट्टी तक नहीं डलवाई। स्ट्रीट लाइट और पार्किंग जैसी बुनियादी सुविधाएं नदारद हैं। अखिलेश त्रिपाठी और राजबहोर चंद्रा ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, पटरी भराव और पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो 'प्रबंधन और प्रशासन के खिलाफ महीना भर चलने वाला उग्र आंदोलन' किया जाएगा। यह लड़ाई अब ग्रामीणों के अस्तित्व की लड़ाई बन चुकी है। एक ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धनपुरी आगमन है, वहीं दूसरी ओर उनके जिले के किसान और ग्रामीण प्रबंधन की मनमानी से बर्बाद हो रहे हैं। क्या मुख्यमंत्री इस 'मेगा प्रोजेक्ट' के 'मेगा भ्रष्टाचार' और लापरवाही पर संज्ञान लेंगे?

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) ब्यौहारी जिला-शहडोल (म.प्र.)
Email-ro83beohari@gmail
रा.प्र.क्र. 134/अपील/अ-27/2025-26
क्र./प्रवा./.../2026/प्रो.क्र.306 ब्यौहारी, दिनांक 27/1/2026
चालान नं.- 064833

आम सूचना

एतद् द्वारा समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि, मेरे न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण क्र.-0062/अ-27/2021-22 अपीलार्थी रामजी पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता निवासी ग्राम ब्यौहारी तहसील ब्यौहारी जिला-शहडोल म.प्र. के द्वारा विरूध्द श्रीमती रूकमणि बेवा रामदयाल गुप्ता बगै. निवासी ब्यौहारी तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल (म.प्र.) प्रचलित प्रकरण में अपीलार्थी/रेस्पा.गण सूचित हो कि, उक्त उन्माद प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 13.02.2026 को स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होवें। नियत तिथि को उपस्थित नही होने पर गुण-दोष के आधार पर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

रामजी पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता आयु 53 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र. 07 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र.....अपीलार्थी

वनाम

1.श्री मती रूकमणी बेवा रामदयाल गुप्ता आयु 90 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र.14 थाना तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 2. जवाहरलाल पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता आयु 67 वर्ष निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र. 14 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 3. हरीदास पिता स्व. श्री रामदयाल गुप्ता (मृत) 3. (क)- श्री मती प्रमिला गुप्ता बेवा हरीदास गुप्ता (मृत) 3. (ख) - अंजली पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 38 वर्ष पति श्री विकाश गुप्ता निवासी ग्राम कटरा भीतर बजार सीतला माता मंदिर के पास थाना सागर जिला सागर म.प्र. 3.(ग) अर्चना पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 36 वर्ष पति श्री अतुल गुप्ता निवासी वार्ड क्र.15 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 3(घ) अल्पना पुत्री हरिदास गुप्ता आयु 34 वर्ष पति श्री अर्शल गुप्ता निवासी बरेला वार्ड क्र. 13 लक्ष्मण पैलेस जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. 4. लक्ष्मी गुप्ता पुत्री रामदयाल गुप्ता (मृत) 4(क)- प्रकाश गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता मॉ लक्ष्मी गुप्ता निवासी ग्राम कृष्णनगर लक्ष्मी ट्रेडस सतना जिला सतना म.प्र. 4(ख) विकाश गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता मॉ लक्ष्मी गुप्ता निवासी कृष्णनगर लक्ष्मी ट्रेडस सतना जिला सतना म.प्र. 4(ग)- ज्योती गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता मॉ लक्ष्मी गुप्ता निवासी लक्ष्मी ट्रेडस नियर एल.आई.सी. ऑफिस सतना जिला सतना म.प्र. 4 (घ) रजनी गुप्ता पिता श्री पन्नालाल गुप्ता मॉ लक्ष्मी गुप्ता निवासी श्री अनाज भण्डार सतना चौराहा अमरपाटन जिला सतना म.प्र. 5. राधाबाई पुत्री रामदयाल गुप्ता पति रामदीन गुप्ता वार्ड क्र.8 ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 6- मीराबाई पुत्री रामदयाल गुप्ता पति उमाशंकर गुप्ता वार्ड क्र. 8 ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र. 7. प्रेमलता पुत्री रामदयाल गुप्ता पति श्री लालजी गुप्ता निवासी नेहरू नगर रीवा आर.टी.ओ. एजेन्ट जिला रीवा म.प्र. 8. छोटी उर्फ अनीता गुप्ता पुत्री रामदयाल गुप्ता पति श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता निवासी गोपाल मिष्ठान भंण्डार सीधी म.प्र. 9.दयाराम पिता बल्देव प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम ब्यौहारी वार्ड क्र.3 थाना व तहसील ब्यौहारी जिला शहडोल म.प्र.....रेस्पा.गण

अपील विरुद्ध न्यायालय श्रीमान तहसीलदार महोदय, ब्यौहारी के रा.प्र.क. 0062/अ-27/2021-22 आदेश दिनांक 12.12.2022

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ब्यौहारी
(सील) जिला-शहडोल (म.प्र.)

आवश्यकता है

हरिभूमि कार्यालय अनूपपुर में कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है हिंदी टायपिंग व समाचार बनाने का अनुभव आवश्यक है। अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें।

संपर्क करे

मनोज शुक्ला-9425473230
आशीष द्विवेदी-9425472507

!! यथै-यथै !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! यथै-यथै !!

श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स

ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता

हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांडय Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।

प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239